



# TABULA.

- |       |   |                      |
|-------|---|----------------------|
| I.    | So spricht der Herr der König Israel.         | Jesaja 44.           |
| II.   | Sihe/ es kömmt die Zeit.                      | Jeremia 23.          |
| III.  | Uns ist ein Kind geboren.                     | Jesaja 9.            |
| IV.   | Fürwar Er trug unsere Kranckheit.             | Jesaja 53.           |
| V.    | Das ist ie gewißlich war.                     | 1. Timoth. 1.        |
| VI.   | Der Tod ist verschlungen in dem Sieg.         | 1. Corinth. 15.      |
| VII.  | Der Wagen Gottes ist viel tausendmal tausend. | Psal. 68.            |
| VIII. | Ich will meinen Geist außgiessen.             | Joelis 2.            |
| IX.   | Gott ist unser Zuversicht und Stärcke.        | } Psal. 46.          |
| X.    | Komet her und schauer die Wercke des Herren.  |                      |
| XI.   | Wie lieblich sind auff den Bergen.            | Jesaja 52.           |
| XII.  | Ich will mich mit dir verloben in Ewigkeit.   | Osea 2.              |
| XIII. | Barmherzig und gnädig ist der Herr.           | Psal. 103. Thren. 3. |
| XIV.  | Nun ist das Heil.                             | Apocal. 12.          |
| XV.   | Alleluja/ Lob und Ehre.                       | Apocal. 7.           |

# FINIS.

